सारा सच

www.
SaraSach.com

दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

♦वर्ष : 3 ♦अंक : 23 ♦ वीरवार 31 दिसम्बर से 6 जनवरी 2020 ♦पृष्ठ:8 ♦मूल्य:3 रुपए, हिजरी 1442 R.N.I. NO. DELHIN/2018/76166

कोरोना को लेकर मोदी ने कहा

2021 में अब दवाई भी और कड़ाई भी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए गुजरात के राजकोट में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की आधारशिला रखी। इससे गुजरात का हेल्थकेयर इन्फ्रास्ट्रक्चर मजबूत होगा। शिलान्यास समारोह में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री विजय रूपानी और केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे भी शामिल हैं। यहां पीएम मोदी ने कहा कि वर्ष 2020 ने हमें यह अच्छी तरह से सिखाया है कि स्वास्थ ही संपदा है। यह चुनौतियों से भरा वर्ष रहा है। राजकोट में 201 एकड़ में ये नया

एम्स बनने जा रहा है. जिसकी लागत 1195 करोड़ रुपये होगी। अनुमान है कि 2022 तक इसे पूरी तरह से तैयार कर लिया जाएगा। इस एम्स में कुल 750 बेड का अस्पताल होगा, साथ ही 30 बेड आयुष के लिए होंगे. साथ ही 125 डठठै सीटें और 60 नर्सिंग सीटें भी होंगी। इस एम्स को सीधे एयरपोर्ट से कनेक्ट किया जाएगा। राजकोट एयरपोर्ट से सिर्फ 11 किमी. दूर ये एम्स स्थित होगा। एम्स में मरीजों के साथ आने वाले लोगों के लिए अलग से धर्मशाला बनाई जा रही है, साथ ही स्वास्थ्यकर्मियों के लिए भी अलग क्वार्टर बनना है। केंद्र सरकार की ओर से देश के अलग–अलग राज्यों में एम्स बनाए जा रहे हैं, ताकि हर राज्य में अच्छे हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर की सुविधा रहेगी। जनवरी, 2019 में केंद्र सरकार ने

शेष पृष्ठ चार पर

किसान संगठनों और सरकार के बीच कुछ मुद्दों पर बनी सहमति

नई दिल्ली। सरकार ने एमएसपी खरीद प्रणाली के बेहतर क्रियान्वयन पर एक समिति गठित करने की पेशकश की और विद्युत शुल्क पर प्रस्तावित कानूनों तथा पराली जलाने से संबंधित प्रावधानों को स्थगित रखने पर सहमति जताई, लेकिन किसान संगठनों के नेता पांच घंटे से अधिक समय तक चली छठे दौर की वार्ता में तीनों नए कृषि कानूनों को निरस्त किए जाने की अपनी मुख्य मांग पर अड़े रहे। अब चार जनवरी को फिर से वार्ता होगी। बैठक के बाद केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि चार विषयों में से दो मुद्दों पर पारस्परिक सहमति के बाद 50 प्रतिशत समाधान हो गया है और शेष दो मुद्दों पर चार जनवरी को चर्चा होगी। तोमर ने कहा, तीन कृषि कानूनों और एमएसपी पर चर्चा जारी है तथा चार जनवरी को अगले दौर की वार्ता में यह जारी रहेगी।

तोमर, रेलवे, वाणिज्य और खाद्य मंत्री पीयूष गोयल तथा वाणिज्य राज्य मंत्री सोमप्रकाश ने यहां विज्ञान भवन में 41 किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ वार्ता की। मंत्री जहां बैठक में भोजन विराम के दौरान किसान नेताओं के साथ लंगर में शामिल हुए, वहीं किसान संगठनों के प्रतिनिधि शाम के चाय विराम के

शेष पृष्ठ चार पर

महामारी के दौरान डिजिटल इंडिया ने प्रभावी और उल्लेखनीय नतीजे दिए: रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि महामारी के दौरान 'डिजिटल इंडिया'की दक्षता और ताकत साबित हुई है। महामारी के दौरान 'डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने 'प्रभावी और उल्लेखनीय'नतीजे दिए हैं। प्रसाद ने कहा कि महामारी के चुनौतीपूर्ण समय में इस कार्यक्रम ने डिजिटल अंतर को दूर करने में भूमिका निभाई और साथ ही समावेश में भी मदद की। आईटी मंत्री ने कहा, ''डिजिटल इंडिया एक बदलाव लाने वाला कार्यक्रम है जिसकी शुरुआत 2015 में हुई। साढ़े पांच साल में महामारी ने डिजिटल इंडिया की दक्षता के 'परीक्षण'का एक बड़ा अवसर दिया।''

प्रसाद ने वर्चुअल तरीके से आयोजित डिजिटल इंडिया पुरस्कार कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि सब कुछ असाधारण है, लेकिन डिजिटल इंडिया पारिस्थितिकी तंत्र ने प्रभावी और उल्लेखनीय तरीके से नतीजे दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह उल्लेखनीय बात है कि इस बार

शेष पृष्ठ चार पर

दिल्ली मेट्रो की एयरपोर्ट लाइन पर

डेबिट क्रेडिट कार्ड से सफर की सुविधा शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो ने 23 किलोमीटर लंबे एयरपोर्ट लाइन (नई दिल्ली से द्वारका सेक्टर–21) लाइन पर नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) से यात्रा करने की सुविधा शुरू की है। मसलन अब यात्री अपने डेबिट क्रेडिट कार्ड से भी इस लाइन पर सफर कर पाएंगे। अलग से टोकन या फिर स्मार्ट कार्ड लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मेट्रो का दावा है कि वह 2022 तक पूरे नेटवर्क पर एनसीएमसी से सफर की सुविधा उपलब्ध करा देगा।

नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड फैसिलिटी (एनसीएमसी) अभी एयरपोर्ट लाइन पर चलेंगे। यह रूपे से वैलिडेट डेबिट व क्रेडिट कार्ड से यात्रा की सुविधा मिलेगी। मगर इसमें वहीं डेबिट कार्ड चलेंगे जो कि बीते 18 महीने के अंदर बने होंगे। अगर उससे पहले का कार्ड है तो आपको

शेष पृष्ठ चार पर

सारा सच

साप्ताहिक समाचार पत्र

की ओर से

नववर्ष 2021,

लोहड़ी, मकर संक्रांति की

हार्दिक शुभकामनाएं

राष्ट्रीय हिन्दी साहित्य प्रतियोगिता दिसम्बर पांचवे–साप्ताहिक के विजेता

पहला स्थान
सुरेंद्र कुमार जोशी
(मप्र)

दूसरा स्थान
ज्योति प्रकाश राय
(यू.पी.)

तीसरा स्थान
अनन्तराम चौबे अनन्त
(मप्र)

चौथा स्थान
प्रीति एम
(बैंगलोर)

पांचवा स्थान
ज्ञानेन्द्र मोहन 'ज्ञान'
(बिहार)

छठा स्थान
नम्रता श्रीवास्तव
(यू.पी.)

सातवां स्थान
प्रिया पांडया
(म.प्र.)

आठवां स्थान
सोनी श्रीवास्तव
(बेंगलूरु)

नौवा स्थान
प्रस्तुति सुखमिला अग्रवाल

नौवा स्थान
शुभा शुक्ला 'निशा'
(छत्तीसगढ़)

संपादकीय

&सलीम अहमद

कांट्रैक्ट फार्मिंग कानून का सच

कांट्रेक्ट फार्मिंग का विरोध हो रहा है लेकिन देखा जाए तो किसान पहले से कांट्रेक्ट फार्मिंग कर रहे थे लेकिन । PMC एक्ट के कारण कंपनी और किसान के बीच होने वाला कांट्रेक्ट अवैध होता था। APMC एक्ट के कारण किसान अपनी फसल सिर्फ अपने इलाके की मंडी में ही बेच सकते थे, इसलिए बिना मंडी के किसान सीधे अपना माल किसी को नहीं दे सकता था । एक अवैध समझौते के कारण किसान अपने हितों के लिए नहीं लड़ सकता था लेकिन अब कृषि सुधार कानून के कारण इन कांट्रेक्ट्स को कानूनी जामा पहनाया गया है । जब कांट्रेक्ट फार्मिंग किसान के लिए फायदेमंद थी तभी किसान गैरकानूनी होने के बावजूद कांट्रेक्ट फार्मिंग कर रहे थे।वास्तव में कांट्रेक्ट फार्मिंग किसान और कंपनी दोनों के लिए फायदेमंद होती है । कृषि क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों के लिए सम्भव नहीं है कि वे अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए हजारों एकड़ भूमि खरीद कर उस पर खेती करके अपने उत्पादों के लिए कच्चा माल पैदा करें । कंपनियों के लिए सम्भव नहीं है कि लाखों मवेशियों को खरीद कर उनसे दुग्ध पदार्थों से सम्बंधित उत्पाद तैयार करें । ऐसे ही मछली पालन, मुर्गी पालन से जुड़ी कंपनियों का हाल है । जब ऐसी कंपनियां किसी क्षेत्र में अपना उद्योग स्थापित करती हैं तो उनके लिए जरूरी होता है कि उनको अपनी जरूरत का कच्चा माल सही समय पर और सही दाम पर आसपास ही उपलब्ध हो जाए । इसके लिए वो क्षेत्रीय किसानों से समझौता करती हैं कि उन्हें उचित समय पर उचित दाम पर कच्चा माल मिलता रहे । अभी तक का अनुभव रहा है कि इन कंपनियों के स्थापित होने से क्षेत्रीय किसानों को बहुत फायदा हुआ है क्योंकि किसानों को बीज बोने से पहले ही पता होता है कि उन्हें फसल कहाँ बेचनी है और क्या कीमत मिलेगी । एमएसपी में भी किसानों को पता होता है कि उनकी फसल का क्या दाम मिलेगा और कहां मिलेगा । एक तरह से देखा जाए तो ये कांट्रेक्ट किसान के लिए एमएसपी से ज्यादा फायदेमंद होते हैं लेकिन एपीएमसी एक्ट के कारण ये समझौते गैरकानूनी होते थे । किसान और कंपनी दोनों के लिए नए कानून नई सुबह लेकर आए हैं। इन कानूनों के लागू हो जाने के बाद अब करोड़ों किसान कांट्रेक्ट फार्मिंग से जुड़ सकते हैं । अब कृषि क्षेत्रा में बड़ी मात्रा में निजी निवेश के लिए रास्ता खुल गया है । छोटे किसानों के लिए नई उम्मीद पैदा हो गई है और वे अपनी जमीन के छोटे टुकड़े से भी परिवार का भरण पोषण कर सकते हैं ।

कांट्रेक्ट फार्मिंग को लेकर बनाये गये कानून का नाम ही है, किसान संरक्षण और सशक्तिकरण कानून। आने वाले समय में यह अपने नाम के अनुसार ही यह काम कर सकता है । इस कानून के विरोध में यह प्रचार किया जा रहा है कि इससे कंपनियां किसानों की जमीन कब्जा कर लेंगी जबकि हकीकत यह है कि इस कानून में स्पष्ट रूप से लिखा गया है कि किसान और कंपनी के बीच केवल कृषि उत्पाद को लेकर ही अनुबंध किया जा सकता है। जमीन को शामिल नहीं किया जा सकता। सरकार ने किसानों को कंपनियों की चालबाजी से बचाने के लिए किसानों और कंपनियों के बीच होने वाले समझौतों के लिए कुछ माडल कांट्रेक्ट फार्म तैयार करने को कहा है जिनका इस्तेमाल इन कांट्रेक्ट्स के लिए किया जाएगा । इन फार्म्स में केवल खाली जगहों को भरकर ये कांट्रेक्ट्स किए जा सकेंगे । इन फार्म्स में कुछ भी नया नहीं जोड़ा जा सकेगा और न ही हटाया जा सकेगा । कांट्रेक्ट फार्मिंग कानून को लेकर यह भी झूठ फैलाया जा रहा है कि कंपनियां किसानों से 20 20 साल का कांट्रेक्ट करके उसकी जमीन पर कब्जा कर लेंगी लेकिन सच्चाई यह है कि इस कानून में स्पष्ट रूप से लिखा गया है कि कांट्रेक्ट्स की अधिकतम सीमा पांच साल की होगी । अनुबंध की अवधि में कंपनी जो भी अस्थायी और स्थायी ढांचा खेत में बनाएगी, तो उसे अगली फसल की बुवाई से पहले किसी भी हालत में अपने खर्चे से हटाना होगा और अगर वो नहीं हटाती है तो उस पर किसान का कब्जा हो जाएगा । छोटे किसानों के लिए बड़ी कंपनियों से अनुबंध करना मुश्किल होगा, इसलिए सरकार ने यह तय किया है कि छोटे किसान एक संघ बनाकर ये समझौते कर सकते हैं और कंपनियो के लिये भी यह सही होगा कि वो अलग अलग समझौते करने की जगह सबके साथ एक समझौता कर सके । सरकार चाहती है कि कांट्रेक्ट फार्मिंग से फसल विविधता बढ़े ताकि किसानों की आय में बढ़ोत्तरी हो । यह सच है कि छोटे किसान गेंहूं चावल पैदा करके अपनी आय नहीं बढ़ा सकते इसलिए सरकार चाहती है कि किसान दूसरे उत्पादों की तरफ ध्यान दें। देखा जाए तो इसमें किसान को नुकसान न होने पाए, इसका ध्यान रखा गया है। इस पर किसानों को एतराज है कि उन्हें अदालत जाने का हक मिलना चाहिए।

चुप्पी तोड़ें

यदि कोई भी सरकारी अधिकारी अपने पद का दुरूपयोग कर रहा है या कोई भी विभागीय अधिकारी आपका आर्थिक, मानसिक व शारीरिक शोषण करता है या फिर आपको किसी भी प्रकार की शिकायत है तो कृपया अपनी शिकायत/जानकारी पर हमें लिख भेजें। आपकी समस्या का समाधान किया जाएगा। आपकी इच्छानुसार आपका नाम व पहचान गुप्त रखी जाएगी।

&लिखें&

मुख्य संपादक : सलीम अहमद

सारा सच

12/596 गली नंबर: 2, वेस्ट गुरू अंगद नगर, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-110092

E-mail : sarasach786@gmail.com

रोज रोज के आंदोलन क्यों?

आंदोलन क्यों होते हैं? यह बात बहुत बार मस्तिष्क में अपने आप उभर आती है और फिर नए रास्ते की ओर चल देते हैं। विचार करें तो आंदोलन जन के बीच से पैदा होता है और वह कब और कहाँ समाप्त होता है, यह समझ ही नहीं आता। आंदोलन की दो पृष्ठभूमि यहाँ हमारे सामने उभर कर आती हैं, एक तो स्वतंत्रता से पूर्व के आंदोलन और दूसरा स्वतंत्राता के बाद आंदोलन। स्वतंत्रता से पूर्व के आंदोलनों पर बात करें तो वे आंदोलन अपने राष्ट्र को स्वतंत्र कराने और अपनी सत्ता बनाने के लिए हो रहे थे अर्थात् अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त होने के लिए ही आंदोलन किए जा रहे थे। यह सभी कुछ हमने पुस्तकों में पढ़ा है। उनका हिस्सा हम नहीं रहे या आज के दौर के युवा नहीं रहे। उस समय आंदोलन देश को मुक्त कराने के लिए हो रहे थे। कहने का भाव है कि स्वतंत्रा राष्ट्र में हमारी सत्ता होगी, हमारे विचार होंगे, हमारे कानून होंगे, हम अपने राष्ट्र के लिए अच्छे से अच्छा सोचेंगे और राष्ट्र को प्रगति के पथ पर लेकर चलेंगे।

हमें स्वतंत्रता मिल भी गई। अब बात उठती है कि स्वतंत्रता के बाद लोग आंदोलन क्यों कर रहे हैं? अब प्रश्न यह है कि क्या सत्ता अर्थात् सरकार जन के लिए काम नहीं कर रही?

अगला एक और प्रश्न उभर कर आता है कि जब भी कोई आंदोलन होता है तो उसमें राजनैतिक दल कूद जाते हैं अर्थात् सत्ता के विपक्ष के राजनैतिक दल। इतना ही नहीं, इतिहास की ओर ध्यान दें तो स्वतंत्रता के बाद जो भी आंदोलन हुए, उससे कोई न कोई नया राजनैतिक दल बनकर जनता के बीच पहुँच गया और वो सभी अब आराम से कुर्सियों को संभाले हुए हैं। अब यहाँ फिर प्रश्न उठता है कि जो भी राजनैतिक दल इन आंदोलनों में आकर अपनी सजगता दिखाते हैं। क्या उन सभी राजनैतिक दलों के लोग संसद के दोनों सदनों अर्थात् राज्यसभा और लोकसभा में नहीं बैठे हैं? क्या अलग-अलग राज्यों की विधानसभा में उनके प्रतिनिधि नहीं बैठे हैं? उत्तर है वे सभी कहीं न कहीं सत्ता में जरूर हैं। फिर वे लोग कैसे इन आंदोलनों में आकर अपनी सजगता या सहमति देते हैं। जनता इनके हाथ की कठपुतली क्यों बनती है और आंदोलनकारी इनकी मदद क्यों लेते हैं?

सोचा जाए तो यदि यह सभी राजनैतिक दल प्रयास करते तो आंदोलन सड़क तक नहीं आता बल्कि संसद में ही बहस होकर किसी भी बिल के लाभ-हानि बता दिए जाते और लोगों को समझा दिया जाता क्योंकि जनता ने ही वोट देकर इन्हें इन कामों के लिए संसद या विधानसभा में भेजा है। आंदोलन के चलते आमजन को जो यह परेशानी हो रही है, यह परेशानी न उठानी पड़ती।

कोई भी आंदोलन सजग रूप से किया जा सकता है, शांतिपूर्वक तरीके से किया जा सकता है लेकिन सड़क, रेल आदि बंद करना, लोगों के काम धंधों को रोकना, उनकी रोजी-रोटी के संकट को बढ़ाना, आंदोलन नहीं बल्कि अपने ही लोगों के पेट पर छुरी चलाने जैसा है। हालांकि हम सब एक ही सिक्के के दो पहलू हैं लेकिन एक यदि आंदोलन का समर्थन कर रहा है तो दूसरे सामान्य जन को क्यों घसीटा जा रहा है, इस पर भी तो हमें सोचना चाहिए।

भारत में हो रहे इस किसान आंदोलन से कितने ही लोगों की रोजी-रोटी का संकट एक बार फिर खड़ा हो गया है। कोरोना काल में ही कितने ही लोगों को अपनी रोजी-रोटी से हाथ धोना पड़ा था और वह अब मुश्किल से उभरे थे कि एक बार फिर इस किसान आंदोलन ने उनके सामने रोजी-रोटी का संकट लाकर खड़ा कर दिया। लोग अपनी जमा पूँजी को दोबारा खोना नहीं चाहते। किसान को जब अन्नदाता कहते हैं तो वह दूसरे के पेट पर लात क्यों मार रहा है। वह कितने ही लोगों के काम-धंधों को ठप्प करे बैठे हैं, यह भी तो सोचने की जरूरत है।

सारा सच के सक्रिय लेखक

अमित त्यागी, शाहजहापुर, (यू.पी.)
दीप्ति शर्मा, आगरा (यू.पी.)
पूनम शुक्ला, गुड़गांव
डा. नीरज भारद्वाज, दिल्ली
तुशार राज रस्तोगी, दिल्ली
विभारानी श्रीवास्तव, बेगुसराय (बिहार)
रेखा जोशी, फरीदाबाद
भावना सिन्हा, गया (बिहार)
सलीमा आरिफ, जकिर नगर
सुधा राजे, शेरकोट
डा. नंदलाल भारती, इंदौर, (मप्र)
कल्पना समानी, नवी मुंबई
कुंती मुखर्जी, लखनऊ (यूपी)
पूजा श्रीवास्तव, सिहोर (मप्र)
शशि श्रीवास्तव, नई दिल्ली
डा. पुरुशोत्तम मीणा, पूर्णिमा शर्मा, मुरादाबाद (यूपी)
अनमोल शर्मा, बागपत (यूपी)
के.सी. वर्मा, पटियाला
साजिद अली खुरेजी

आखिर कब तक ?

शबनम खान

1. यदि आप शासनिक स्तर पर न्याय चाहते हैं।
2. यदि आपकी पुलिस या अन्य किसी सरकारी विभाग द्वारा कोई सुनवाई नहीं हो रही है।
3. यदि कोई सरकारी अधिकारी अथवा कर्मचारी काम के बदले आपसे रिश्वत मांग रहा है।
4. यदि कोई आपका शारीरिक एवं मानसिक रूप से शोषण कर रहा है।
5. यदि आप जीवनसाथी या किसी अन्य संबंधी द्वारा प्रताड़ित किए जा रहे हैं।
6. यदि किसी कार्यरत महिला/पुरुष का कार्यालय में अन्य तरीके से शारीरिक या मानसिक रूप से शोषण हो रहा है।
7. यदि किसी बुजुर्ग को परिवार में उचित सम्मान नहीं मिल रहा है।
8. यदि किसी शिक्षण संस्थानों में छात्र अथवा छात्राओं का मानसिक या शारीरिक स्तर पर शोषण हो रहा है।
9. यदि कोई आपको बाल मजदूरी के लिए बाध्य कर रहा है।
10. यदि शिक्षण संस्थानों द्वारा आपसे डेवलपमेंट चार्ज या डोनेशन के नाम पर अवैध धन वसूला जा रहा है।
11. यदि उपभोक्ता किसी सेवा या उत्पाद से संतुष्ट नहीं है।
12. यदि सरकारी अस्पतालों या प्राइवेट अस्पतालों में आपकी देख रेख उचित रूप से नहीं हो रही है तो घबराए नहीं, सम्पर्क करें:-

Miss Shabham Khan (President)
(Human Rights Activist)
EK Koshish Aur Abhi (EkAA)
N.G.O.
Dedicated to Human Rights & Social Justice
E-mail
:Khanshabnam.humarightactvist@Yahoo.in
www.ekkoshishaurabhi.org

सारा सच

साप्ताहिक हिन्दी समाचार पत्र

-मुख्य सम्पादक-
सलीम अहमद
-सह संपादक-
फहमीना सिद्दीकी
शाहनवाज सिद्दीकी
-सलाहकार-
दीपक त्यागी (एडवोकेट),
प्रदीप महाजन (आईएनएस),
डा. पी एल पलटा,
मनोज कुमार खत्री
मौ. मोहसिन
-छायाकार-
सुधीर कुमार, साजिद अली
ब्यूरो/विज्ञापन प्रतिनिधि
-दिल्ली-
रविन्दर कुमार, एस सिद्दीकी,
अशफाक अली
-राजस्थान-
जयपुर-विशाल चौहान
-हिमाचल प्रदेश-
शिमला
शान मो. खान
-उत्तर प्रदेश-
आगरा-हसीब हुसैन
अलीगढ़-मो. फारूख
फिरोजाबाद-फैसल मसरूर
मुज्जफर नगर-मो. इलियास

उ.दि.नगर निगम ने 23 दिन में 336 प्रदूषण फैलाने वालों के काटे चालान

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली नगर निगम वायु प्रदूषण के नियंत्रण के लिए नियमित रूप से कड़ी कार्यवाही कर रहा है। इस सन्दर्भ में महापौर जय प्रकाश ने बताया कि निगम ने पिछले 23 दिनों में 336 प्रदूषकों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही कर 25.90 लाख रुपए के चालान किये। 198 चालान कचरे और प्लास्टिक के कचरे के अवैध डंपिंग और जलाने के लिए 9.8 लाख रुपये की राशि के लिए 4443 साइटों के निरीक्षण करने के बाद जारी किये, जबकि 2 चालान 0. 20 लाख रुपये की राशि के लिए 508 साइटों का निरीक्षण करने के बाद मलबा डालने (अवैध डंपिंग) के लिए जारी किए गए और 1253 साइटों का निरीक्षण करने के बाद निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण उपायों के उल्लंघन के लिए 15.90 लाख रुपये के लिए 136 चालान जारी किए गए।

महापौर ने कहा कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने कचरा , प्लास्टिक जलाने, मलबा डालने (अवैध डंपिंग)आदि के संबंध में उल्लंघनों की दिन और रात गश्त द्वारा जांच के लिए के लिए 48 टीमों को तैनात किया है। पिछले 23 दिनों में 18 मैकेनिकल रोड स्वीपरों ने 12668 किलोमीटर क्षेत्र को कवर किया और वाटर स्प्रिंकलर टैंकरों के माध्यम से 5183.65 किलोमीटर क्षेत्र को धूल को दबाने के लिए कवर किया।

जय प्रकाश ने यह भी बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए 812.5 वर्ग मीटर क्षेत्र को हरित क्षेत्र में विकसित किया। इस अवधि के दौरान 15023 पौधे लगाए गए।

प्रदूषणकारी और अनधिकृत उद्योगों की जांच करने के लिए, 132 टीमों को तैनात किया गया,है निगम अपने अधिकार क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों से अपील करता है कि वे प्रदूषण नियंत्रण सम्बन्धी दिशा निर्देशों का गम्भीरता के साथ पालन कर दिल्ली को प्रदूष्ण मुक्त बनाने में अपना योगदान दें।

दिल्ली जलबोर्ड में फैले भ्रष्टाचार की कीमत लोगों को चुकानी पड़ रही है : आदेश गुप्ता

नई दिल्ली । दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा है कि बिजली हाफ, पानी माफ के वादे पर वोट बटोरने वाले अरविंद केजरीवाल ने सत्ता में आते ही लोगों को स्वच्छ पानी की बूंद–बूंद के लिए मोहताज कर दिया और जिसे पानी दे रहे हैं उससे हर बूंद की कीमत वसूल रहे हैं। अब दिल्ली जल बोर्ड ने पानी और सीवर के लिए अलग–अलग इन्फ्रास्ट्रक्चर चार्ज भी लेना शुरू कर के दिल्लीवासियों पर एक नया आर्थिक बोझ डाल दिया है।

प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी कहा कि दिल्ली जल बोर्ड के अधिकतर घरेलू उपभोक्ता हैं, ऐसे में अब अलग–अलग इन्फ्रास्ट्रक्चर चार्ज लगने के फैसले के बाद उपभोक्ता परेशान हैं। 2 साल पहले दिल्ली जल बोर्ड ने पानी की दरों में 20 प्रतिशत इजाफा कर के दिल्ली के लोगों से वसूले पैसे को प्रचार पर खर्च कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड जिसके मुखिया स्वंय केजरीवाल हैं, उनके संरक्षण में टैंकर घोटाले सामने आ रहे हैं, पानी माफिया पानी बेच रहे हैं और केजरीवाल के भ्रष्टाचार की कीमत लोगों को चुकानी पड़ रही है। पहले जल बोर्ड के पास 350 करोड़ रुपए का फिक्स डिपाजिट था और 64 करोड़ रुपए प्रति माह के फायदे में था लेकिन आम आदमी पार्टी की सरकार बनते ही प्रतिमाह 100 करोड़ रुपए के घाटे में चल रहा है।

मार्केटिंग, एक्जिक्यूटिव, डिस्टीब्यूटर तथा विज्ञापन प्रतिनिधि सम्पर्क करें

सारा सच को चाहिए मेहनती, संघर्षशील, जुझारू ब्यूरो चीफ (सभी जिला), संवाददाता

पाठकों के लिए विशेष

जो भी पाठक अच्छी कहानी, कविताएं खबर इत्यादि देगा उसे मीडिया से जुड़ने का मौका मिलेगा

विज्ञापन

दो के साथ एक फ्री	या	30 प्रतिशत की छूट

हमारे समाचार पत्र के जरिए अपने व्यापार को बढ़ाएं या वेबसाइट पर अपनी पब्लिसिटी के लिए सम्पर्क करें

सम्पर्क करें:

91-999-000-7067

www.sarasach.com

Email : sarasach786@Gmail.com

1 से 15 जनवरी तक सरकारी स्कूलों में शीतकालीन अवकाश

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय ने सरकारी स्कूलों के लिए शीतकालीन अवकाश की घोषणा कर दी है। जिसके तहत 1 से 15 जनवरी तक शीतकालीन अवकाश रहेगा और ऑनलाइन कक्षाएं और ऑनलाइन पठन–पाठन गतिविधियां बंद रहेंगी। निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि शीतकालीन अवकाश की अवधि में कक्षा 6 से 12वीं के छात्रों का शैक्षिक स्तर और अकादमिक प्रदर्शन सुधारने के लिए स्कूल प्रमुखों को काम करना होगा। जिसके तहत स्कूल प्रमुख छात्रों को बता सकते हैं कि वे अभी तक पढ़ाए गए पाठों के सभी वर्कशीट, वीडियो और ऑनलाइन कक्षाएं शिक्षा निदेशालय के होमपेज पर एग्जामिनेशन और अकादमिक लिंक पर जाकर प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षा निदेशालय ने स्कूलों के लिए तो शीतकालीन अवकाश घोषित कर दिया है, लेकिन छात्रों के पठन–पाठन की आदत को बनाए रखने के लिए सभी स्कूल प्रिंसिपलों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि वह इस अवधि में छात्रों को अधिकि गृहकार्य दें। जिसे छात्रों को 20 जनवरी तक अपने कक्षा अध्यापक को ऑडियो, वीडियो, पिक्चर व लिखित रूप में जमा कराना होगा।

सरकार कृषि कानूनों में एमएसपी को शामिल करे या इन्हें वापस ले: ओवैसी

हैदराबाद। एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि दिल्ली की सीमाओं पर किसानों के महीनेभर से चल रहे प्रदर्शन को खत्म करने के लिए राजग सरकार को नए कृषि अधिनियमों में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को शामिल करना चाहिए या इन कानूनों को वापस लेना चाहिए। ओवैसी ने कहा कि यह समझना चाहिए कि किसानों की मांगे वास्तविक हैं। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा राष्ट्रहित में यही है कि मोदी सरकार (किसानों की) मांगों को माने।अगर सरकार को किसानों से हमदर्दी है, तो सरकार को चाहिए कि वो किसानों का दर्द खत्म करने के लिए या तो कानून में MSP शामिल करे या फिर तीनों कृषि कानून को वापस ले, हम किसानों के साथ हैं।

केंद्र सरकार को देश के अन्नदाताओं की चिंता नहीं

केंद्र सरकार के अहम के चलते 45 किसान हुए शहीद : राघव चड्ढा

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी विधायक राघव चड्ढा ने कहा कि केंद्र सरकार के अहम के चलते किसान आंदोलन में अब तक 45 किसान शहीद हो चुके है। भाजपा शासित केंद्र सरकार को देश के अन्नदाताओं की चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को नरम रूख अपनाते हुए किसानों से बातचीत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों से बातचीत करके सरकार को किसानों की बात मान लेनी चाहिए। राघव चड्ढा ने कहा कि केंद्र सरकार को दिक्कत इस बात से है कि इस बार किसानों को कानून समझ में आ गया है। इसलिए वह डटे हुए है, सरकार उनके इस आंदोलन को हल्के में ले रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को बिना किसी शर्त के किसानों के साथ बात करनी चाहिए। कानून में कमियां नहीं होती तो सरकार उसमें संशोधन का प्रस्ताव क्यों भेज रही है। किसान अपने हक की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन 45 किसानों की मौत की जिम्मेदार केंद्र सरकार है। इनका हिसाब केंद्र सरकार से लेना चाहिए जो उद्योगपतियों के लिए काम कर रही है। चड्ढा ने कहा कि सरकार बोलती तो है कि चर्चा करनी है लेकिन शर्तों के साथ कोई चर्चा नहीं हो सकती। यह सरकार ढकोसले फैलाती है। उनका इस समय बस एक ही लक्ष्य है, किसान को थका

दो, निराश करो और भगा दो। वह देश के किसान के प्रति थका दो, निराश करो और भगा दो अभियान देश के चला रहे हैं। चड्ढा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों के हौसले को बहुत कम आंका है। उन्होंने कहा सरकार को इसे अहं की लड़ाई नहीं बनानी चाहिए।

Chetan Srivastava
98100 63006, 93100 63006

kaagzaat
कागज़ात
a complete property Documentation point

DELHI DOCUMENTATION CENTRE

Specialists in : Drafting & Registration of documents for Free Hold, Lease Hold, Commercial, Industrial, DDA, L&DO Society Properties & Flats wih Computer Processing & Manual Typing

LEASE HOLD TO FREE HOLD A SPECIALITY

Off : UG-28 Suneja Tower-I
Distt. Centre Janak Puri, New Delhi-58
Ph : 2554 1618, 2561 7461

Br. Off :- Shop No.2 S-2/100
Old Mahavir Nagar, Near
Mangla Hospital, New Delhi-18

सारा सच

सारा सच एक जरिया है दुनिया की सबसे बड़ी प्रसिद्ध सोशल नेटवर्किंग साइट पर अपने कारोबार को बड़े लेवल पर बढ़ाने के लिए सारा सच अखबार/वेबसाइट में विज्ञापन देकर अपनी पब्लिसिटी करवाएं । क्योंकि सारा सच ने इन पर अपनी प्रोफाइल/आईडी बनाकर अपनी पहचान बनाई है और लोगों को अपने साथ जोड़कर हमेशा अपडेट रहता है।

सम्पर्क करें : +91&999&000&7067

E-mail : sarasach786@Gmail.com

JOIN-US Facebook Google Plus

नया साल मनाने की अनूठी प्रथाएं

पुराना वर्ष तो अपने 365 दिन के पंखों को आहिस्ता–आहिस्ता समेटकर कुछ खट्टे–मीठे अनुभव देकर चला जाता है और बारी आती है–नए वर्ष की जो हमें आशा, उमंग, भाईचारा, सद्भावना की लहर लाने और आदर्शो के ऊंचे पथ पर चलने का संदेश देता है, देश की एकता और अखंडता की प्रेरणा देता है। इस नव वर्ष को दुनिया के सभी नागरिक अपनी–अपनी संस्कृति और परंपरा के अनुसार मनाते हैं, हर्षोल्लास से उसका स्वागत करते हैं।

काल का पहिया निरंतर घूमता ही रहता है। समय कब बीतता है, पता ही नहीं चलता। पुराने कैलेण्डर की विदाई और नए कैलेण्डर का स्वागत होता है अर्थात् नए वर्ष का आगमन होता है।

इस नए वर्ष के आगमन पर खुशियों की नई शुरूआत भी होती है जिसके स्वागत के लिए हर व्यक्ति बेताब रहता है। सब व्यक्ति रात्रि में जागरण करके खुशियां मनाते हैं और एक दूसरे को नये वर्ष की शुभकामनाएं देते हैं। विगत से कुछ सीखकर आगत को सफल बनाने हेतु नया संकल्प करते हैं, सुख समृद्धि हेतु प्रार्थना एवं पूजा करते हैं।

पुराना वर्ष तो अपने 365 दिन के पंखों को आहिस्ता–आहिस्ता समेटकर कुछ खट्टे–मीठे अनुभव देकर चला जाता है और बारी आती है–नए वर्ष की जो हमें आशा, उमंग, भाईचारा, सद्भावना की लहर लाने और आदर्शो के ऊंचे पथ पर चलने का संदेश देता है, देश की एकता और अखंडता की प्रेरणा देता है। इस नव वर्ष को दुनिया के सभी नागरिक अपनी–अपनी संस्कृति और परंपरा के अनुसार मनाते हैं, हर्षोल्लास से उसका स्वागत करते हैं। प्रस्तुत हैं दुनिया में नववर्ष मनाने की अनोखी, विचित्र दिलचस्प जानकारी।

भारतः– इस दिन यहाँ के बड़े–बड़े होटल, रेस्टारेंट चकाचौंध से भर जाते हैं। सामान्य लोग भी अपने घर रंग–बिरंगे कागज के तोरण लटकाते हैं, फूलों से सजाते हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। एक दूसरे को नववर्ष की शुभकामनायें देते हैं। कई लोग अपने इष्ट देवों के दर्शन करते हैं।

कनाडाः– रोमन कैथोलिक मत मानने वाले लोग रात्रि में चर्च में प्रार्थना करते हैं, नववर्ष की शुभकामनाएं देते हैं और पुरूष वहां मौजूद महिलाओं के चुंबन लेते हैं। इसके पीछे उनकी यह भावना होती है कि आने वाला अगला वर्ष बहुत ही सुखदायक, मंगलदायक साबित होगा।

रोमः– यहां इस दिन उपहार बांटने की परंपरा है। एक जनवरी को ही उपहार बांटने की परंपरा की शुरूआत रोम के एक बादशाह ने की थी, जो आज भी प्रचलित है। इस दिन यहां खूब आतिशबाजी होती है जिसके धमाकों से आकाश भी गूंज उठता है।

जापानः– इस दिन यहां व्यंजन बनाने और घरों को बांस और चीड़ की लकड़ियों से सजाने की परंपरा है। इस उत्सव को जापान के लोग पांच दिन तक मनाते हैं। सुबह ही लोग नदियों व कुंओं से स्वच्छ जल लाकर चावल का व्यंजन बनाते हैं और उसे कमल की जड़ के साथ सेवन करते हैं। उनकी ऐसी मान्यता है कि इसके सेवन से इंसान की उम्र बढ़ती है। यहां के लोग घर को सजाये जाने वाले बांस को दृढ़ता एवं सच्चरित्राता एवं चीड़ को जीवन का प्रतीक मानते हैं।

लंदनः– इस दिन लंदन का ट्रेफलगर स्क्वायर खुशी से शोर मचाते लोगों से भर जाता है। दीवाली की तरह सारा शहर जगमगा उठता है। रात्रि के ठीक 12 बजते ही एक धमाके के बाद रंग–बिरंगी टोपियां पहनकर मस्ती से नाचते–गाते हैं। खूब आतिशबाजी करने की भी परंपरा है।

बर्माः– बर्मा में नववर्ष का उत्सव तीन दिन तक मनाते हैं जिसे 'तिजान' के नाम से जाना जाता है। इस दिन यहां के लोग भगवान बुद्ध की प्रतिमा पर सुगंधित जल छिड़कते हैं। तत्पश्चात मिठाई बांटकर खुशी जाहिर करते हैं।

ईरानः– ईरान के लोग नववर्ष का स्वागत 21 मार्च को करते हैं, वह भी बड़े रोचक ढंग से। ये लोग पंद्रह दिन पूर्व जौ तथा गेहूं बोते हैं और अंकुरित होने देते हैं। फिर इसे नववर्ष के दिन प्याली में डालते हैं। ऐसा करना वे शुभ मानते हैं और यही यहां की मुख्य परंपरा भी है।

चीनः– चीन में इस दिन आतिशबाजी करने की परंपरा है। रात्रि में जागरण करते हैं। फिर दूसरे दिन सभी को पकवान खिलाते हैं। यहां की ताए जाति के लोग नववर्ष का उत्सव पांच दिन तक मनाते हैं। पहले भगवान बुद्ध की वंदना करते हैं, तत्पश्चात एक दूसरे पर होली की तरह सादा पानी डालते हैं जिसे 'छपाका' कहा जाता है। इसके पीछे इनकी भावना होती है कि यह छपाका इंसान को स्वस्थ रखता है।

स्पेनः– स्पेन में इस दिन रात्रि के 12 बजे के बाद एक दर्जन ताजे अंगूर खाने की परंपरा है। इनकी मान्यता है कि ऐसा करने से वे साल भर स्वस्थ रहते हैं।

अर्जेंटिनाः– इस दिन परिवार का मुखिया अपने हाथों से एक केक काटता है जिसका एक–एक टुकड़ा प्रत्येक सदस्य खाता है। उनकी यह भावना होती है कि वे एक–दूसरे के स्वास्थ्य और समृद्धि की मंगल कामना करते हैं। महिलायें सुहाग की प्रतीक वस्तुओं का आदान प्रदान कर सुख–समृद्धि की कामनाएं करती हैं।

मलेशिया, चिली, सुमात्रा, थाइलैंडः– इन देशों के नागरिक इस दिन अपने–अपने देवी–देवताओं की पूजा करते हैं ताकि खुश होकर उन्हें सुख–समृद्धि दे सकें।

पश्चिम जर्मनीः– इस दिन यहां के पिता द्वारा अपनी–अपनी पुत्रियों को एक हजार पिन या उतने ही कीमत के उपहार देने की परंपरा है, जिसे पिनपनी के नाम से जाना जाता है। ऐसा करना वे सुख–समृद्धि तथा भविष्य की शुभकामना समझते हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष

2021 में अब दवाई...

राजकोट एम्स को मंजूरी दी थी। इस अवसर पर पीएम मोदी ने साथ ही नया मंत्र भी दिया और कहा कि वैक्सीन आने का मतलब ये नहीं की लापरवाही बरतें। अब दवाई भी और कड़ाई भी के मंत्र से आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि हमने हेल्थ सेक्टर में होलिस्टिक तरीके से काम शुरू किया। हमने जहां एक तरफ प्रिवेंटिव केयर पर बल दिया, वहीं इलाज की आधुनिक सुविधाओं को भी प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले हमारा हेल्थ सेक्टर अलग अलग दिशा में, अलग अलग अप्रोच के साथ काम कर रहा था। प्राइमरी हेल्थ केयर का अपना अलग सिस्टम था, गांव में सुविधाएं न के बराबर थी।पीएम मोदी ने कहा आयुष्मान भारत योजना से गरीबों के लगभग 30 हजार करोड़ रुपये ज्यादा बचे हैं। आप सोचिए, इस योजना ने गरीबों को कितनी बड़ी आर्थिक चिंता से मुक्त किया है। अनेकों गंभीर बीमारियों का इलाज गरीबों ने अच्छे अस्पतालों में मुफ्त कराया है। उन्होंने बीते 6 वर्षों में 10 नए एम्स बनाने पर काम हो चुका है। जिनमें से कई आज पूरी तरह काम शुरू कर चुके हैं। एम्स के साथ ही देश में 20 एम्स जैसे सुपर स्पैशिलिटी हॉल्पिटल्स पर भी काम किया जा रहा। आजादी के इतने दशकों बाद भी सिर्फ 6 एम्स ही बन पाए थे। 2003 में अटल जी की सरकार ने 6 नए एम्स बनाने के लिए कदम उठाए थे। उन्हें बनाते बनाते 2012 आ गया था, यानी 9 साल लग गए थे।

किसान संगठनों और...

दौरान सरकार द्वारा आयोजित जलपान कार्यक्रम में शामिल हुए। पंजाब किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष रुल्दू सिंह मनसा ने कहा कि सरकार एमएसपी खरीद पर कानूनी समर्थन देने को तैयार नहीं है और इसकी जगह उसने एमएसपी के उचित क्रियान्वयन पर समिति गठित करने की पेशकश की है। उन्होंने कहा कि सरकार ने विद्युत संशोधन विधेयक को वापस लेने और पराली जलाने पर किसानों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई के प्रावधान को हटाने के लिए अध्यादेश में संशोधन करने की पेशकश की है। भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने भी कहा कि सरकार प्रस्तावित विद्युत संशोधन विधेयक और पराली जलाने से होने वाले वायु प्रदूषण से संबंधित अध्यादेश को क्रियान्वित न करने पर सहमत हुई है।

महामारी के दौरान डिजिटल...

डिजिटल इंडिया पुरस्कार डिजिटल तरीके से दिए जा रहे हैं। महामारी के दौरान कारोबार क्षेत्र की निरंतरता में योगदान के लिए संचार एवं आईटी क्षेत्र की भूमिका की सराहना करते हुए प्रसाद ने कहा कि केंद्र, राज्यों, विभिन्न सरकारी एजेंसियों और जिला प्रशासन सभी ने सेवाओं की डिजिटल आपूर्ति सुनिश्चित की। सरकारी इकाइयों के 22 डिजिटल संचाल पहलध्उत्पादों को छह श्रेणियों में डिजिटल इंडिया पुरस्कार–2020 दिए गए। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने वीडिया कॉन्फ्रेंस के जरिये डिजिटल इंडिया पुरस्कार प्रदान किए।

डेबिट क्रेडिट कार्ड...

उसे अपडेट कराना होगा। बताते चले दिल्ली मेट्रो पर रोजाना 30 हजार से अधिक लोग सफर कर रहे है। यह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट व नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को आपस में जोड़ती है।दिल्ली मेट्रो देश में सबसे अधिक 388 किलोमीटर वाला नेटवर्क है। इसपर कुल 285 मेट्रो स्टेशन है। अभी सिर्फ 23 किलोमीटर पर ही एनसीएमसी की सुविधा शुरू हुई है। मेट्रो का दावा है कि अगले दो साल यानि 2022 तक सभी नेटवर्क पर यह सुविधा मिलेगी।मेट्रो ने अभी 37 किलोमीटर नेटवर्क पर चालक रहित मेट्रो का परिचालन शुरू किया है। मगर अगले छह माह में यह सफर 94 किलोमीटर से ज्यादा तक ले जाने की योजना पर काम कर रहा है। पिंक लाइन (मजलिस पार्क से शिव विहार) पर सीबीटीसी सिग्नलिंग सिस्टम है। जिसपर चालक रहित मेट्रो चलाने की तैयारी है। चालक रहित मेट्रो के साथ दिल्ली में मेट्रो की फ्रीक्वेंसी भी बढ़ जाएगी।

प्रस्तुति
शुभा शुक्ला
'निशा'
(छत्तीसगढ़)

नया साल

सारा सच के मंच पर मैं सभी का अभिनंदन करते हुए अपना लेख प्रारंभ करती हूं। बीते साल 2020 ने तो हमें काफी कष्ट पहुंचाया हमें अपने कोई त्यौहार ढंग से मनाने नहीं दिये कितने अपनों से हमेशा के लिए हमें दूर कर दिया लॉक डाउन के कारण हम सभी अपने अपने घरों मै कैद होकर रह गए हां पर इस लॉक डाउन में एक बात बड़ी अच्छी हुइजिसे हम पिछले साल का तोहफा भी मान सकते हैं लॉक डाउन के चलते हम परिवार वाले एक दूसरे के बहुत नजदीक आ गए मानवीय संवेदना का प्रेम भरा स्वरूप हमारे प्रत्यक्ष प्रकट हुआ अजनबियों ने भी इंसानियत के नाते एक दूसरे की मदद की ।

अब ये 2020 तो हमे अलविदा कह कर अपना सारा सच हम पर वार करके जा रहा है

पर मेरी ईश्वर से इस नए साल में यही प्रार्थना और कामना है कि हम सब सालों बाद अपने जो मानवीय मूल्यों को जाग्रत कर पाएं है उन्हें अब कभी भी खोने ना पाएं नया साल बहुत अच्छे से प्रेम और सौहार्द्र की भावना के साथ मनाएं और पूरा साल सभी रिश्ते ईमानदारी से निभाएं । किसी के साथ यदि कोई गलतफहमी हो गई हो और उसके कारण दूरी बन गई हो तो सामने वाले से सारा सच कह दें और अपने रिश्ते पुनः मधुर और मजबूत बना लें।

देश की अर्थव्यवस्था भी लॉक डाउन के कारण डगमगा सी गई है सरकार को नए साल मे बहुत सी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है सो मेरी देश की सरकार और जनता दोनो को ही बड़ी समझदारी और सूझ बूझ के साथ प्रशासन को सम्हालना होगा तभी नये साल के पूरे 365 दिन हम सब हंसी खुशी व्यतीत कर पाएंगे । इन्हीं उम्मीदों के साथ आप सभी को एक बार फिर नए साल की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

www.sarasach.com
PRESENT हमारीवाणी
SHOW YOUR TALENT
YOUR VOICE ON MIC
दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र
◆वर्ष : 3 ◆अंक : 23 ◆ वीरवार 31 दिसम्बर से 6 जनवरी 2020 ◆पृष्ठ:8 ◆मूल्य:3 रुपए, हिजरी 1442 R.N.I. NO. DELHIN/2018/76166

प्रस्तुति
सुरेंद्र कुमार जोशी
(मप्र)

नववर्ष'

नववर्ष का शुभ आगमन
नया साल आया
सुख शांति समृद्धि वैभव
सारी खुशियां लाया

छोड़ दो बुराई सारी
अच्छाई का दिन आया
सुख शांति समृद्धि वैभव
सारी खुशियां लाया

हर दिन के पुराने मोड़ पर
नववर्ष सारी खुशियां लाया
सुख शांति समृद्धि वैभव
सारी खुशियां लाया

नववर्ष की शुभकामना
ऐसा शुभ दिन आया
सुख शांति समृद्धि वैभव
सारी खुशियां लाया

खुशी रहो सब भाई भाई
मित्रता का शुभ दिन आया
सुख शांति समृद्धि वैभव
सारी खुशियां लाया

शुभकामना आप सभी को
नववर्ष नव बहार लाया
सुख शांति समृद्धि वैभव
सारी खुशियां लाया

हार्दिक बधाई आपको
ऐसा शुभ अवसर आया
सुख शांति समृद्धि वैभव
सारी खुशियां लाया

सारा सच छमू लमंत
नई सौगात लाया
सुख शांति समृद्धि वैभव
सारी खुशियां लाया

नववर्ष से खुशियां आई
नया साल आया
सुख शांति समृद्धि वैभव
सारी खुशियां लाया

कोयल मोर पपीहा बोले
ईश्वर से आशीर्वाद पाया
सुख शांति समृद्धि वैभव
सारी खुशियां लाया

पक्षी करें मधुर कलरव
शुभ नया साल आया
सुख शांति समृद्धि वैभव
सारी खुशियां लाया

टेसू के फूल रंग केसरिया
केसरिया नया रंग लाया
सुख शांति समृद्धि वैभव
सारी खुशियां लाया

नया नया साल आया
खुशियां भरी सौगात लाया
सुख शांति समृद्धि वैभव
सारी खुशियां लाया

सारा सच कहता सबको
नित उन्नति का साल नया
सुख शांति समृद्धि वैभव
सारी खुशियां लाया

सबके लिए उन्नतिकारक
नया शुभ संदेश लाया
सुख शांति समृद्धि वैभव
सारी खुशियां लाया

सारा सच पता है सबको
उन्नति कारक वर्ष आया
सुख शांति समृद्धि वैभव
सारी खुशियां लाया

कोरोना को मुक्त करने
नई कहानी लिखना आया
सुख शांति समृद्धि वैभव
सारी खुशियां लाया

गांव शहर बस्ती नगर
सभी जगह मनाया
सुख शांति समृद्धि वैभव
सारी खुशियां लाया

प्रसन्नता हर मुख पर
नववर्ष आया
सुख शांति समृद्धि वैभव
सारी खुशियां लाया

सारा सच के मार्गदर्शन में
खुशी खुशी नववर्ष मनाया
सुख शांति समृद्धि वैभव
सारी खुशियां लाया

प्रस्तुति
अनन्तराम चौबे
अनन्त
(मप्र)

नववर्ष/ नया साल

नववर्ष नया साल आया है
इस नये साल का स्वागत है ।
करें विदाई पुराने साल की
उसने बहुत ही सताया है ।

कोरोना महामारी भी देखी
कोरोना ने बहुत डराया है ।
लाक डाउन लगा मास्क पहने
बीमारी की मोतों ने रूलाया है।

आवागमन सभी बंद हुए
घरों में लोग सभी बंद हुए ।
अर्थ व्यवस्था चौपट हो गई
स्कूल कालेज सभी बंद हुए ।

किसान आंदोलन चल रहा है
बिचौलियों की भागीदारी है
किसान और गरीबों की न पूछो
हो रही कैसी देखो मारा मारी है।

किसी तरह साल ये गुजरा
नया साल नववर्ष आया है ।
स्वागत करें नये साल का
सुन्दर सपना साथ में लाया है ।

नव वर्ष का स्वागत करते हैं
नमन वंदन अभिनंदन करते हैं ।
बीत गया उसे सपना समझकर
सारा सच कहूं भूल जाते हैं ।

बीते की अब करें विदाई
इस नववर्ष का स्वागत है ।
गुजर गया उसे भूल जाएं
सारा सच करें आवभगत हैं ।

स्वागत स्वागत स्वागतम है
नव वर्ष का अभिनंदन है ।
सारा सच है करते स्वागत
नव वर्ष का नमन वंदन है ।

खुशियों के साथ बहार लायेगा
नव वर्ष अभी जो आया है ।
दीप जलाये खुशियां मनाये
नववर्ष नया साल जोआया है ।

प्रस्तुति
प्रा. डावरे रोहिणी
बालचंद
(महाराष्ट्र)

नव वर्ष अभिनंदन

साथियों आया नया वर्ष
गम भूलाकर मनाओ हर्ष
स्वर्ण अवसर,सुनहरा गीत
सारा सच है अपना मित।।1।।

सदियों पूर्व मची थी धूम
बेबीलोन शहर उठा था झूम
बासंती पवन घ्तु बसंत आयी
चहुओर थी बहार छायी।।2।।

प्राचीन रोम बना गुलशन
ईसा पूर्व ,कॅलेंडर ज्युलियन
ज्युलियस सीजर के प्रयास भारी
1जनवरी नववर्ष किया जारी।।3।।

चौत्र शुक्ल की प्रतिपदा
सूर्यकिरन में शुचिता सदा
ब्रह्मा जी का सृष्टिनिर्माण
वेद पुराणों का यही बखान।।4।।

विक्रमादित्य का राज्य घना
विक्रम संवत् श्संवत्श है बना
दिन था वह बडा मंगलकारी
राजा राम भये पालनहारी।।5।।

नये साल का जनवरी मास
नारियों के लिए बन गया खास
चमका श्सावित्रि श शुक्रतारा
साक्षर जिससे भारत सारा।।6।।

शुभ नक्षत्र बसंत घ्तु के संग
किसानों की मेहनत लाती है रंग
खुशियाँ मनाएँ माटी के लाल
आता है जब नया साल।।7।।

कंटकपथ को जाओगे भूल
सारा सच है जीवन का मूल
ऊँचे सपनों की कर दे पहचान
पंछी बनकर भर लो उडान।।8।।

धर्म मानव का एक ही जान
मन मंदिर में हैं भगवान
सच्ची लगन से कर लो पूजा
मन से बडा न कोई दूजा।।9।।

नये साल का नया आगमन
घर–घर में हो चौन–अमन
स्वस्थ,सुगंधित हो मेरा चमन
प्रभु चरणों में कर लूँ नमन।।10।।

सारा सच के सक्रिय साहित्य लेखक

1– अनंतराम चौबे अनंत (मध्यप्रदेश)
2– पदमा ओजेन्दर तिवारी (मध्यप्रदेश)
3– डॉ रुपाली दिलीप चौधरी (महाराष्ट्र)
4– सुरेन्द्र कुमार जोशी (मध्यप्रदेश)
5– शोभा त्रिपाठी (छत्तीसगढ़)
6– रश्मि लता मिश्रा (छत्तीसगढ़)
7– प्रो डावरे रोहिणी बालचंद्र (महाराष्ट्र)
8– प्रो मनीषा विकास नादगोड़ा (कर्नाटक)
9– प्रिया रॉय (त्रिपुरा)
10– कुमारी दुलेश्वरी मांझी (छत्तीसगढ़)
11– राशिद अकेला (झारखण्ड)
12– अजय कुमार पांडेय (हैदराबाद)
13– बजरंग लाल सैनी (राजस्थान)
14– आरिफ असास (दिल्ली)
15– कुमारी महक नाग (छत्तीसगढ़)
16– कृष्ण कुमार पांडेय (मध्यप्रदेश)
17– अश्मजा प्रियदर्शिनी (बिहार)
19– मनीषी मित्तल (चंडीगढ़)
20– रेनू बाला धार (झारखंड)
21– प्रीति एम (बैंगलौर)
22– इन्दिरा कुमारी (उत्तर प्रदेश)

सारा सच
www.sarasach.com
PRESENT
हमारीवाणी
SHOW YOUR TALENT
YOUR VOICE ON MIC
दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र
◆वर्ष : 3 ◆अंक : 23 ◆ वीरवार 31 दिसम्बर से 6 जनवरी 2020 ◆पृष्ठः8 ◆मूल्यः3 रुपए, हिजरी 1442 R.N.I. NO. DELHIN/2018/76166

प्रस्तुति
ज्ञानेन्द्र मोहन
'ज्ञान'
(बिहार)

नए वर्ष का गीत

चलो उठो ऐसे मत बैठो, अपने मन को मारकर।
नए साल का नया कलेंडर टाँगो अब दीवार पर।

मन के हारे हार और फिर
मन के जीते जीत है।
सुख–दुख धूप–छाँव जैसे हैं
सब कुछ जाता बीत है।

इसीलिए बेहतर ही होगा रखदो थकन उतारकर।
नए साल का नया कलेंडर, टाँगो अब दीवार पर।

ऐसा मुमकिन कहाँ कि ३सारा सच३
मेरे मनमाफिक हो।
बिना बताए कोई मेरी
तकलीफों से वाकिफ हो।

अपनी कहो सुनो औरों की बोलो जरा विचार कर।
नए साल का नया कलेंडर, टाँगो अब दीवार पर।

३परहित सरिस धरम नहिं भाई३
संतों ने बतलाया है।
कष्ट दूसरों को देकर के
कौन यहाँ सुख पाया है।

पाप–पुण्य की परिभाषा को समझो सबसे प्यार कर।
नए साल का नया कलेंडर, टाँगो अब दीवार पर।

गजल (नव वर्ष)

नए वर्ष में कुछ नई बात होगी,
हर तरफ खुशियों की सौगात होगी।

यह साल भी गुजरा उम्र ढल चली,
समय की समझो तुम आंख मिचौली।

गुमराह ना हो संसार की रंगीनी से,
सत्य ना हारा है झूठ की गली से।

ना निभा पाई रस्मे– उल्फत तो क्या,
तीरगी को मिटाने को दिया तो जलाया।

मोहब्बत के कुछ पल जी नहीं पाई तो क्या,
नए वर्ष में उम्मीद का दामन ना छुड़ा या।

भुला दो सारे रंजो गम ए मेरे दोस्त,
नया वर्ष लाया नवल रश्मियां मस्त।

नव वर्ष की प्रभात बेला समझो एक नेमत,
ईर्ष्या द्वेष की संकरी गली झांको मत।

नव वर्ष का आगमन खुशियों का होगा मेला,
सारा सच न रहे अब कोई तन्हा अकेला।

प्रस्तुति
नम्रता
श्रीवास्तव
(यू.पी.)

प्रस्तुति
प्रिया पांडया
(म.प्र.)

नववर्ष जब आयेगा

छट जायेंगे दुखों के घने स्याह मेघ,इस बार नववर्ष जब आयेगा
उम्मीद की किरण रौशन करेगी जीवन,जन–जन खुशी मनायेगा
दुःख तृष्णा और सब व्याधियों को विगत वर्ष संग अपने ले जायेगा
अपने कष्ट– क्लेश समेट सारे, हर चेहरे पर मुस्कान ये दे जायेगा

प्रभा नववर्ष के नव आदित्य की जब चहुँ ओर रौशनी बिखरायेगी।
खुशनुमा सारा माहौल होगा,ये प्रकृति भी मंगल गीत गायेंगी
प्रफुल्लित होगा समूल सृष्टि का मन, रात अंधियारी छट जायेगी
नव पल्लवित कोमल किसलय जब महक अपनी फैलायेगी।

सकुशल स्वस्थ समस्त संसार होगा ,संकट सभी मिट जायेंगे
सारा सच उद्वेलित कर ये शुभकामनाएँ हम जन जन तक पहुंचायेंगे
भूल बीते वर्ष कड़वी यादे अच्छी यादों को दिल के गुलिस्तान में सजायेंगे
नववर्ष के आगमन में हम उम्मीद के दीप जला पलकें अपनी बिछायेंगे।

सारा सच का भी प्रण यहीं कि उत्कृष्ट साहित्य सबके समक्ष लाएँगे
इस नववर्ष पर कुछ नया कर जग में अपनी न्यारी पहचान बनाएंगे
गूँज उठेगी बधाइयों की जब, सब अपने दुःख दर्द पुराने भूल जायेंगे
गिरा नफरत की दीवार ,वसुदेव कुटुम्बकम् की ज्योति विश्व में जलायेंगे

प्रस्तुति
सोनी श्रीवास्तव
(बेंगलूरु)

नववर्ष

नए वर्ष के आगमन के साथ ही लोगों की इससे कई उम्मीदें जुड़ जाती हैंद्य इसमें लोग नए वायदे करते हैं, वैसे कार्य के लिए जो पिछले पूरे वर्ष में कई कोशिशों के बाद भी नहीं कर पाएँद्य कहीं–न–कहीं हम यह कह सकते हैं कि नया साल नई शुरुआत का सन्देश लेकर आता हैद्य लोगों में एक उत्साह की भावना होती है, एक उम्मीद रहती है कि आने वाला नया साल उनकी हर मुश्किलों को समाप्त कर देगा।

इस बार भी कुछ ऐसा ही है, बहुत सारी उम्मीदें लगी हुईं हैं नए वर्ष सेद्य मन में एक उम्मीद है कि शायद बीते हुए वर्ष में हुई तबाही से राहत मिलेगीद्य हम मनुष्य हैं और आशावादी भी, और पूरा विश्वास है अपने प्रभु पर कि अब फैसला हमारे हीं हक में होगीद्य इस महामारी से राहत जरुर मिलेगी।

हमें अपनी पिछली गलतियों से सबक लेते हुए, उससे हुई बुरे परिणामों को भुलाकर, उसे सुधारते हुए अब आगे बढ़ने का समय आ गया हैद्य जैसे–जैसे हम आगे बढ़ेंगे, हमारे द्वारा प्रयास का सारा सच हमारे सामने आ ही जाएगा।

ऐसा कोई पर्व नहीं जो सभी एक साथ मिलकर मनाते हैंद्य यही नए वर्ष का पर्व है जो पूरे विश्व के लोग एक साथ मिलकर धूम–६ााम से मानते हैंद्य यदि एक साथ सभी मिलकर अपने ईश्वर से प्रार्थना करें तो कभी प्रार्थना खाली नहीं जाएगी और इस महामारी से हमें मुक्ति अवश्य मिलेगी।

प्रस्तुति
सुखमिला अग्रवाल

ऐ जाने वाले साल सुन जरा

ऐ जाने वाले साल सुन जरा,
संग में अपने ले जाना,
पीड़ा कष्ट महामारी,
फिर कभी मत ले आना।

कहते हैं तेरा शुक्रिया,
अब और खफा मत हो जाना,
नए साल में तू आये तो,
खुशियां भर कर ले आना।

जाते हुए साल टाटा बाय बाय,
हम करते हैं ,
आने वाले साल तेरा,
अभिनंदन अब करते है।

रंग उमंग दिलों में भरकर,
पीड़ा हमारी मिटा देना।
सारा सच सन्नाटा सुन,
उसमें रहमत बरसा देना।

जाने वाले बेदर्द दिनों में,
जो,चोट गहरी खा गए,
सारा सच शुभ संदेश देकर,
उनके दुख सब हर लेना।

स्वागत वंदन नए साल का,
सारा सच श्रद्धा से करते हैं।
सारा सच तू जान ले
अब तुझसे आशा करते हैं
हम जोर शोर से करते हैं.।
हम हाथ जोडकर करते हैं...

सबक जो भी दिये तुमने,
सदा स्मरण अब रखेंगे,
घर परिवार और अपने
हैं सबसे कीमती,
रिश्ते नातों के ताने बाने को,
अब जतन से हम बुन लेंगे,

पतित पावन प्यारी धरा को,
अब ना दूषित होने देंगे,
कसम आज हम खाते हैं,
मान न कम होने देंगे।

स्वागत स्वागत स्वागत,
है नए साल का,
हाथ जोड कर कहते हैं,
सारा सच सी दया रखना,
हाथ जोड़ कर कहते हैं .

फिल्मी दुनिया

सैफ के साथ शुरू में शादी नहीं करना चाहती थी करीना कपूर

करीना कपूर 'लाल सिंह चड्डा' और 'वीरे दी वेडिंग 2' कर रही हैं। 'लाल सिंह चड्डा' में अपने हिस्से की शूटिंग उन्होंने पूरी कर ली है। अब आमिर अपने बचे हुए हिस्से की शूटिंग कर रहे हैं। अद्वैत चंदन निर्देशित यह फिल्म 1994 में आई हॉलीवुड फिल्म फॉरेस्ट गंप का हिंदी रीमेक है।

पिछले साल प्रदर्शित 'गुड न्यूज' (2019) और उसके बाद इस साल प्रदर्शित 'अंग्रेजी मीडियम' (2020) में करीना के काम को पसंद किया गया। 'अंग्रेजी मीडियम' (2020) वह दिवंगत अभिनेता इरफान खान के साथ नजर आई थीं।करीना कपूर आमिर की फिल्म के अलावा करण जौहर की मल्टी स्टारर फिल्म 'तख्त' का भी हिस्सा हैं। इसमें वह शाहजहां की बेटी का किरदार निभा रही हैं। 'वीरे दी वेडिंग' के सीक्वल में उनके स्ट्रिपर बनने की खबरें भी आ रही हैं।

करीना कपूर ने 'रिफ्यूजी' (2000) से एक्टिंग की शुरूआत की थी। पिछले दो दशकों से वह बॉलीवुड पर राज कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपने कैरियर के 20 साल पूरे किए।

इन दो दशकों के दौरान करीना कपूर ने लगभगर हर जेनर की फिल्में की हैं। कैरियर की शुरूआत में ही करण जौहर की 'कभी खुशी कभी गम' (2001) में करीना ने एक ऐसा किरदार निभाया जिसके उनके हिस्से में कॉमेडी सीन ज्यादा थे।

कॉमेडी शुरू से करीना का मनपसंद जेनर रहा है। आज जिस तरह से बॉलीवुड में महिलाओं की आवाज सुनी जा रही है इसे देखते हुए करीना काफी खुश हैं। खबरें आ रही हैं कि राजकुमार हीरानी शाहरूख के साथ जो फिल्म शुरू करने जा रहे हैं, उसमें वो शाहरूख के अपोजिट करीना को लेने के इच्छुक हैं। करीना कपूर पहले भी 'कभी खुशी कभी गम' (2001) 'अशोका' (2001)'डॉन' (2006) और 'रा वन' (2011) जैसी फिल्मों में शाहरूख के साथ काम कर चुकी हैं।

करीना कपूर ने 2012 में सैफ अली खान के साथ शादी की थी और 2016 में उनके बेटे तैमूर अली का जन्म हुआ।एक बार फिर से अब वह उनके दूसरे बच्चे की मां बनने वाली हैं।

सैफ के साथ शादी के पहले करीना का शाहिद कपूर के साथ लंबे वक्त तक प्यार का चक्कर चलता रहा था। सैफ अमृता सिंह से अलग होने के बाद से ही करीना के साथ निकाह करने के इच्छुक थे लेकिन उनका शादी का प्रपोजल करीना दो बार ठुकरा चुकी थीं। 'जब वी मेट' (2007) के दौरान करीना और शाहिद के बीच अचानक दूरियां बढ़ती गईं और टशन (2008) में साथ काम करने के दौरान वह सैफ के काफी करीब आ गई और दोनों ने निकाह कर लिया।

त्वचा के लिए भी लाभकारी है दही

आपकी सेहत

अक्सर स्किन की केयर करने के लिए हम सभी घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल करते हैं। घरेलू उपायों को अपनाने का लाभ यह है कि यह किसी भी तरह के केमिकल से मुक्त होते हैं। इन उपायों से आपकी स्किन को भले ही धीरे.धीरे लाभ प्राप्त हो, लेकिन इससे आपकी स्किन नेचुरली बेहद ब्यूटीफुल लगती है। आमतौर पर घरेलू उपायों में हम वैसे तो कई चीजों का इस्तेमाल करती हैं, लेकिन दही का अपना एक अलग ही महत्व है। इसके इस्तेमाल से आपको सिर से लेकर पैर तक सिर्फ लाभ ही लाभ होता है, जिसके बारे में हम आपको आज इस लेख में बता रहे हैं. स्किन केयर एक्सपर्ट बताते हैं कि प्रदूषण, यूवी किरणें व गंदगी के कारण स्किन डल और बेजान नजर आती है। ऐसे में दही का इस्तेमाल करने से आपकी स्किन एक बार फिर से ब्राइटन होती है। दरअसल, दही में लैक्टिक एसिड त्वचा को हल्का रूप से एक्सफोलिएट करता है और मृत त्वचा कोशिकाओं की परत को हटाता है। जिससे स्किन चमकदार बनती है। हालांकि, इसे हफ्ते में दो बार से ज्यादा इस्तेमाल न करें।

सुनने में आपको शायद अजीब लगे, लेकिन दही यूवी किरणों से भी आपकी स्किन की रक्षा करता है। स्किन केयर एक्सपर्ट के अनुसार, त्वचा पर दही के नियमित उपयोग से पराबैंगनी किरणों जैसे कि काले धब्बे और असमान त्वचा की टोन के प्रभाव को कम किया जा सकता है। एक अध्ययन के अनुसार, दही एक बैरियर की तरह काम करता है और सूरज की क्षति के जोखिम को बचाता है और होने वाले नुकसान को काफी कम करता है।

स्किन केयर एक्सपर्ट बताते हैं कि प्रोबायोटिक्स में समृद्ध होने के कारण यह एक्ने से लड़ने में मददगार है। दही में प्रोबायोटिक्स में मुँहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया को मारने की क्षमता होती है, जिससे नए मुँहासे के गठन को रोकने के साथ.साथ मौजूदा मुँहासे के आसपास की सूजन को कम किया जा सकता है। इसलिए अगर आप एक क्लीयर स्किन चाहती हैं तो ऐसे में आप दही का इस्तेमाल अपनी स्किन पर जरूर करें।

जब उम्र बढ़ने लगती है तो ऐसे में स्किन अपनी प्राकृतिक कोलेजन और लोच खो देता है, जिससे रिंकल्स और फाइन लाइन्स के कारण स्किन बूढ़ी नजर आती है। दही में कोलेजन पैदा करने वाला प्रोटीन होता है जो त्वचा की लोच में सुधार करता है और उम्र बढ़ने के समय से पहले के लक्षणों को दूर करता है।

बड़े शहरों की हलचल से दूर, पुदुचेरी

बड़े शहरों की हलचल से दूर, पुदुचेरी भारत के दक्षिणी तट पर स्थित एक शांत सा शहर है। अचूक फ्रेंच कनेक्शन, पेड़ों की कतार से सुसज्जित प्रमुख मार्ग, विचित्र औपनिवेशिक (बवसवदपंस) इमारतों की विरासत, आध्यात्मिक प्राकृतिक दृश्य, अंतहीन विशुद्ध और खूबसूरत समुद्र तट और बांध और व्यंजनों के आश्चर्यजनक विकल्प के साथ रेस्तरां यात्रियों के अनुभव का एक आकर्षक मिश्रण प्रदान करते हैं। यदि आप जीवन की गति को कुछ पायदान नीचे ले जाना चाहते हैं, तो यह एक सही जगह है।

पांडिचेरी केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी की राजधानी है और दक्षिण भारत के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है। इस शहर को भारत का यूरोप करार दिया गया है। यह भारत ही नहीं बल्कि दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित करता है। पांडिचेरी एक लोकप्रिय सप्ताहांत गंतव्य भी है, जिसे मुख्यतः चेन्नई और बैंगलोर जैसे नजदीकी शहरों से आसानी से पहुँचा जा सकता है, क्योंकि मादक पेय पदार्थों पर कम टैक्स लगने की वजह से यह शहर पड़ोसी राज्यों की तुलना में बहुत कम महंगा है। पुडुचेरी शहर बंगाल की खाड़ी के कोरोमंडल तट पर स्थित चेन्नई (मद्रास) से लगभग 162 किलोमीटर दक्षिण पूर्व में स्थित है। इस क्षेत्र में कोई पहाड़ियाँ या जंगल नहीं हैं। केंद्र शासित प्रदेश पुदुचेरी में चार तटीय क्षेत्र जैसे पुडुचेरी, कराईकल, माहे और यानम शामिल हैं। पुदुचेरी और कराईकल तमिलनाडु के पूर्वी तट पर स्थित हैं, आंध्र प्रदेश में यनाम और केरल में पश्चिम तट पर माहे। पांडिचेरी पहुंचने के लिए चेन्नई सबसे नजदीकी और सबसे सुविधाजनक यात्रा आधार है। निकटतम हवाई अड्डा चेन्नई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है, जो पांडिचेरी से 135 किमी दूर स्थित है। चेन्नई भारत के कई शहरों जैसे दिल्ली, मुंबई, कोच्चि, तिरुवनंतपुरम, पुणे, हैदराबाद आदि से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन विल्लुपुरम है, जो 35 किमी दूर है। विल्लुपुरम नियमित ट्रेन सेवाओं द्वारा त्रिची (तिरुचिरापल्ली), मदुरै और चेन्नई से जुड़ा हुआ है। विल्लुपुरम से पुदुचेरी के लिए टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं। बहुत सारी निजी पर्यटक बसें भी हैं जो चेन्नई, मदुरै और बेंगलुरु से पांडिचेरी तक जाती हैं। यदि आप थोड़े समय के लिए तमिलनाडु से पांडिचेरी जा रहे हैं, तो आपको 15 दिनों के लिए क्वारंटाइन रहने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि, आपको ई–पास की आवश्यकता होगी। जब आप सरकारी वेबसाइट पर ई–पास के लिए आवेदन कर सकते हैं, तो अधिकांश होटल आपको फास्ट–ट्रैक के लिए आवेदन करने में मदद कर रहे हैं। आपको अपने आधार कार्ड नंबर और संपर्क विवरण जैसे कुछ बुनियादी जानकारी प्रदान करने की आवश्यकता है। वर्तमान में पुडुचेरी हवाई अड्डा बंद है, निकटतम कार्यात्मक हवाई अड्डा चेन्नई में है।वैसे तो पांडिचेरी में बहुत सारे खूबसूरत दर्शनीय और रमणीक स्थल हैं।

सारा सच हिंदी पाक्षिक समाचार पत्र प्राप्त करने के लिए

Subscription From / सदस्यता हेतु फार्म

नाम : .....

पता : .....

शहर : .....पिन : .....

फोन : ..... मोबाइल :.....

ईमेलः .....

समयावधि : एक वर्षः 100/–.....तीन वर्ष : 300/– .....

पांच वर्ष : 500/–.....आजीवन : 3000/– .....

भुगतान : नकद .....डीडी/चैक.....

नोट : वर्ष एक/तीन/पांच की सदस्यता के लिए डीडी/चैक पर 50/-अतिरिक्त बैंक चार्ज जोड़कर देना होगा।

फार्म साफ साफ भरकर सारा सच अपडेट के नाम डीडी/चैक के फार्म के साथ निम्न पते पर भेजे या कैश आफिस में जमा कराएं, फार्म आप www.sarasach.com/join-us/ से कापी कर सकते हैं।

पता : 12/596, गली नंबर-2, वेस्ट गुरू अंगद नगर, नियर ज्ञान कुंज कालोनी, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-92

ई-मेल & sarasach786@gmail.com, info@sarasach.com

मोबाइल : 9990007067

सांसद गौतम गम्भीर ने किया एक आशा-जन रसोई का शुभारम्भ

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली से भाजपा सांसद गौतम गंभीर द्वारा एक आशा –जन रसोईं गाँधी नगर स्थित रेडीमेड गारमेंट्स की होलसेल मार्किट के कैलाश नगर पुस्ता रोड पर का शुभारम्भ किया गया। इस मौके पर श्री गम्भीर के पिता दीपक गम्भीर के आलावा शाहदरा जिला भाजपा अध्यक्ष रामकिशोर शर्मा, मयूर विहार जिला के अध्यक्ष द्वारा डॉ विनोद बछेती, स्थानीय निगम पार्षद एवं निगम की शिक्षा समिति के अध्यक्ष रोमेश गुप्ता ,पार्षद श्यामसुन्दर अग्रवाल, संदीप कपूर, गोविन्द अग्रवाल,दीपक मल्होत्रा, बबिता खन्ना , जिला उपाध्यक्ष हिरदेश अग्रवाल, जिला महामंत्री दीपक गाबा, अनिल शर्मा जिला यशपाल वेंतुरा, युवा मोर्चा अध्यक्ष पंकज कोचर, महिला मोर्चा अध्यक्ष दीपिका जैन सहित काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे

एक आशा –जन रसोईं के शुभारम्भ अवसर पर गौतम गंभीर ने कहा की मुझे देखकर अजीब लगता है कि अभी भी ऐसे लोग हैं जो एक वक्त के भोजन के लिए भी परेशान है और मैं चाहता हूं कि यह शुरुआत अपनी लोक सभा पूवा दिल्ली से करूं कि कोई भी गरीब मेरी लोकसभा में भूखा ना सोए। इसकी जिम्मेदारी मैं स्वयं उठाने का काम करूंगा और जल्द ही दूसरी जगह भी एक आशा–जन रसोईं खोलने का काम करूंगा।

उन्होंने बताया कि इस रसोई में गरीबों को एक रुपए में भरपेट भोजन मिलेगा। मंगलवार से रविवार तक सुबह 9.30 से 11.30 बजे तक पहले एक रुपए के वूपन दिए जाएंगे और उसके बाद 12.00 बजे से 2.00 बजे तक भोजन थाली दी जाएगी।

इस अवसर पर स्थानीय निगम पार्षद रोमेश गुप्ता नें कहा कि सांसद श्री गम्भीर नें जो नेक कार्य किया है उसकी चर्चा पूरे देश में है। अन्य जनप्रतिनिधियों को भी श्री गम्भीर से प्रेरणा लेनी चाहिए।

दिल्ली में कोरोना वैक्सीन भंडारण का एक केंद्र तैयार

74 लाख डोज रखने की क्षमता

नई दिल्ली राजधानी दिल्ली में वैक्सीन के भंडारण की क्षमता वाले दो केंद्रों में से एक केंद्र सोमवार को पूरी तरह तैयार हो गया है। दिल्ली के राजीव गांधी सुपरस्पेशलिटी अस्पताल में वैक्सीन की 74 लाख डोज सुरक्षित रखने की क्षमता हासिल कर ली है। सोमवार को यहां सभी 90 डीप फ्रिजर उपलब्ध हो गए हैं।

अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉक्टर बीएल शेरवाल के मुताबिक अस्पताल में अलग इमारत में बनाया गया वैक्सीन भंडारण केंद्र पूरी तरह तैयार है। अब सिर्फ यहां वैक्सीन पहुंचने का इंतजार है।

राजीव गांधी अस्पताल में बनाए गए वैक्सीन भंडारण केंद्र में 74 लाख वैक्सीन के इंजेक्शन को रखने की क्षमता है। यानी यहां 37 लाख लोगों के लिए वैक्सीन रखने की क्षमता है। दरअसल, एक व्यक्ति को वैक्सीन की दो ही डोज लगाई जाएंगी इसलिए 74 लाख डोज से 37 लाख लोगों को पूरी तरह वैक्सीन लगाई जा सकती है। राजधानी दिल्ली में दूसरे वैक्सीन भंडारण केंद्र को दिल्ली के सिविल लाइन इलाके में तैयार किया जा रहा है। एक स्वास्थ्य अधिकारी के मुताबिक यहां 70 से 80 लाख वैक्सीन डोज रखने की क्षमता होगी।

दिल्ली के राजीव गांधी केंद्र और सिविल लाइन केंद्र , दोनों में कुल मिलाकर 1.15 करोड़ वैक्सीन डोज सुरक्षित रखने की क्षमता होगी। इन्हीं दोनों केंद्रों से वैक्सीन को अलग अलग कोल्ड चेन के जरिए टीका लगाने वाले 1000 बूथ पर पहुंचाया जाएगा।

स्कूल खुलने तक बच्चों को मिलेगा सूखा राशन : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार अपने स्कूलों में पढ़ने वाले करीब आठ लाख बच्चों को मिड डे मील योजना के तहत सूखा राशन देगी। जब तक यह स्कूल नहीं खुले जाते तब तक यह योजना जारी रहेगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को मंडावली स्थित एक सरकारी स्कूल से इसकी शुरुआत की। उन्होंने कहा कि हमें अपने बच्चों के पौष्टिक आहार की चिंता है। इसलिए हमने सूखा राशन देने का फैसला किया है। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और कई विधायक मौजूद रहे।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम बच्चों को सूखा राशन बांटने के लिए एकत्रित हुए है। बीते नौ माह बहुत मुश्किल से गुजरे। यह कब खत्म होगा इसकी उम्मीद अभी नजर नहीं आ रही है। सबसे ज्यादा परेशानी बच्चों को हुई है। चिंता थी कि जो बच्चे मिल डे मील खाते होंगे, उनका क्या होगा।

केजरीवाल ने कहा कि पहले हमने सोचा था कि मिड डे मील का जो पैसा बनता है, वह अभिभावकों के खाते में डाल दिया जाए। लेकिन सुझाव आया कि पैसा कही और खर्च हो जाएगा। उससे बेहतर राशन दिया जाए। आज राशन देने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। हर बच्चे के मुताबिक जितना राशन बनता है, उतना छह महीने का राशन हर परिवार को दिया जाएगा। इसके लिए

स्कूल की ओर से अभिभावकों को सूचना दी जाएगी।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार के स्कूलों में आज भी वही शिक्षक और बच्चे हैं, लेकिन माहौल बदल गया है। अब हमारे बच्चों के आईआईटी और मेडिकल में एडमिशन हो रहे हैं। दुनिया भर के लोग दिल्ली के स्कूल देखने आते हैं। यह दिल्ली वालों के लिए गर्व की बात है। हमारे स्कूलों के 94 प्रतिशत बच्चे अब भी ऑनलाइन कक्षाएं ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैंने आज यह स्कूल भी देखा है, बहुत सुंदर स्कूल है। पूरे देश भर में इस तरह के सरकारी स्कूल देखने को नहीं मिलते हैं। पहले स्कूलों का माहौल बड़ा गंदा होता था। तब हम कहते थे कि अध्यापक पढ़ा नहीं रहे हैं। अध्यापक तो आज भी वही हैं, लेकिन वही अध्यापक आज बहुत शानदार पढ़ा रहे हैं।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि लॉकडाउन सबसे मुश्किल दौर था। लॉकडाउन में सब कुछ बंद हो गया था। रोजी–रोटी खत्म हो गई। नौकरी चली गई, दुकानें बंद हो गई। खास तौर पर वो आदमी, जो रोज कमाता है और रोज खाता है। उसके लिए तो खाने के लाले पड़ गए थे। उस समय दिल्लीभर में 10 लाख लोगों के लिए रोज खाना बनता था। स्कूलों में लंच और डिनर व्यवस्था दिल्ली सरकार करती थी। उस दौरान हमने तीन महीने तक दिल्ली की 50 फीसदी आबादी को गेहूं, चावल, दाल, तेल और मसाले तीन महीने दिया ताकि कोई भूखा न मरे।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि कोरोना की वैक्सीन तो बन जाएगी, लेकिन शिक्षा के नुकसान की भरपाई मुश्किल है। हम रोज ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि स्कूल फिर से आबाद हों। लेकिन मुझे गर्व है कि तमाम मुश्किलों के बावजूद टीम एजुकेशन ने हिम्मत नहीं छोड़ी। सबने मेहनत करके 94 प्रतिशत बच्चों तक ऑनलाइन और सेमी ऑनलाइन के जरिए पहुंचने की बड़ी सफलता हासिल की। स्कूल बंद होने के कारण मिड–डे–मील बंद होना भी एक बड़ी समस्या थी। बहुत से परिवारों के पास दो वक्त की रोटी जुटाना मुश्किल था। ऐसे में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर हमने सूखा राशन बांटने का फैसला लिया। जब तक स्कूल फिर से नहीं खुलते हैं, तब तक यह योजना चलती रहेगी।

Kumar Associates
Soliciter & Advisor (Legal)
Delhi District Court & High court
Karanjeet Kumar (Advocate)
H.O. : 133-A Krishan Kunj Extn.
Laxmi Nagar, Delhi-110092
Mob :9999839708, 8527362212

Vinod Kumar 9899317267
Varun Kumar 9212738941 9999963395

VARUN
Canvas-Company
Wholesaler of :
All Kinds of Blankets, Cotton Cloth.
Spl. in : Blankets, Plastic Tirpal, Plastic Tubes, Cotton Cloths, Tents, Car-Scooter Cover
12-A, Azad Market, Near Pul Mithai, Delhi-6
E-mail: varuncanvasco@yahoo.co.in

IPCS
Indian Pest Control Services
PRE & POST CONSTRUCTION ANTI-TERMITE TREATMENT
Dr. P. K. Sahani
(Entomologist)
WZ-250 C, NEAR MTNL EXCHANGE
OPP. PUSA INSTITUTE INDER PURI.
NEW DELHI-110012
PH. 64522051 M. 9810437316
E-mail: pks0573@rediffmail.com
ipcs.7340@rediffmail.com

Mob:- 9868995845, 9811053175

Umesh Kr. Jha
Chairman
VARKS
VARKS INFRA BUILDTECH (P.) LTD.
Developers, Builders & Collaborator
Regd. Office 113-A Krishan Kunj Ext. Part-I, Laxmi Nagar, Delhi-110092

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक व संपादक **सलीम अहमद** द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस, 3636, कटरा दीना बेग, लाल कुआँ, दिल्ली–110006 से मुद्रित व 12/596, गली नंबर–2, वेस्ट गुरु अंगद नगर, लक्ष्मी नगर, दिल्ली–92 से प्रकाशित
संपादक : **सलीम अहमद**. सारा सच साप्ताहिक समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों व समाचारों की सहमति आवश्यक नहीं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र दिल्ली होगा।